जेईई मेन 2017

तथ्यों पर देना होगा ध्यान

इंजीनियरिंग एक ऐसा कौशल है, जिसे जितने बड़े फलक पर आजमाया जाए, उतना ही बेहतर परिणाम मिलता है। चाहे प्राइवेट सेक्टर हो या गवर्नमेंट, हर जगह इंजीनियरों की भारी मांग है। आइये जानते हैं कैसे जेईई मेन के लिए तैयारी करें।

एक्सपर्ट्स व्यू

डॉ. हरिओम/असि. प्रोफेसर

कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट, आईएसएम, धनबाद

अपनी तैयारी बांटें तीन हिस्सों में

जेईई मेन की तैयारी की एक सटीक राह यह भी है कि छात्र अपनी तैयारी को तीन हिस्सों में बांट लें। पहला सुबह का हो, दूसरा दोपहर से शाम का और तीसरा शाम से रात तक का। जिस विषय में कठिनाई आ रही है, उसे सुबह के स्लॉट में रखें। सुबह के वक्त पढ़ाई करने में ज्यादा एकाग्रता रहती है। पढ़ाई का रूटीन संतुलित रखें। ज्यादा देर रात जागकर पढ़ाई न करें। छात्र यह भी ध्यान रखें कि उनको इस परीक्षा में सिर्फ तीन अवसर ही मिलते हैं। यदि किन्हीं कारणों से तैयारी ठीक ढंग से नहीं हो पाई है तो वे परीक्षा को छोड़ दें तो ही ठीक रहता है, क्योंकि इससे उनका प्रयास बेकार नहीं जाएगा।

02 लाख के करीब छात्रों ने पास की थी जेईई मुख्य परीक्षा 2016

40 हजार लड़कियों ने जेईई एडवांस के लिए किया था क्वालिफाई

04 दर्जन इंजीनियरिंग कॉलेजों में मिलता है उम्मीदवारों को दाखिला

प्राइवेट सेक्टर अपने वर्क प्रोफाइल एवं बदलाव के लिए जाना जाता है, वहीं गवर्नमेंट सेक्टर नौकरी के स्थायित्व व सुरक्षा के लिए। कुशल इंजीनियरों की आवश्यकता दोनों ही क्षेत्रों में होती है, पर इंजीनियर बनने का सपना तभी पूरा होता है, जब छात्र इंजीनियरिंग की महत्वपूर्ण प्रवेश परीक्षाओं में सफलता हासिल करे। ज्वाइंट एंट्रेंस एग्जाम (जेईई) एक ऐसी ही प्रमुख प्रवेश परीक्षा है। यह दो चरणों- जेईई मेन व जेईई एडवांस के रूप में सम्पन्न होती है। इन दोनों चरणों में सफल होने के बाद आईआईटी, एनआईटी व अन्य संस्थानों की करीब 26 हजार सीटों पर दाखिला मिलता है।

समय के अनुसार बांटें सिलेबस

पिछले कुछ वर्षों के प्रश्नों को देखें तो इसमें करीब 45 प्रतिशत सिलेबस 11वीं तथा 55 प्रतिशत प्रतिशत बारहवीं का होता है। अब जो समय बचा है, उसमें पूरा सिलेबस तो कवर करना संभव नहीं है। ऐसे में समय के हिसाब से संबंधित विषयों के सिलेबस को बांट लें। छात्र यदि बारहवीं की परीक्षा दे रहा है तो उसे मूलभूत चीजें पता ही होंगी।

पढ़ें एनसीईआरटी की पुस्तकें

जेईई मेन में बोर्ड के फैक्ट बेस्ड प्रश्न ज्यादा पूछे जाते हैं। यदि तैयारी के अंतिम दौर या रिवीजन में किसी तथ्य की तलाश है तो एनसीईआरटी की पुस्तकों का ही चयन करें, क्योंकि इनकी प्रमाणिकता होती है। अन्यथा बाजार में कई ऐसी भ्रामक पुस्तकें भी मौजूद हैं, जो छात्रों का नुकसान कर सकती हैं।

मुख्य बिंदुओं पर दें ध्यान

छात्र अब इस मोड़ पर पहुंच चुके हैं, जहां से उन्हें चंद दिनों का समय मिल रहा है। ऐसे में उन्हें सिलेबस से टू द प्वाइंट चीजें ही पढ़नी होंगी। कोई बड़ा चैप्टर या टॉपिक लेकर जूझने से एक तो समय बर्बाद होगा, ऊपर से रिवीजन के लिए भी समय की कमी सामने आ जाएगी। यह भी संभव है कि नया टॉपिक पढ़ने से पुरानी चीजें फिसलती चली जाएं।

प्रतिदिन की तैयारी पर दें ध्यान

पढ़ाई में अनियमितता काफी घातक होती है। एक दिन की तैयारी कर कुछ दिनों का गैप दे देने से पढ़ा हुआ दिमाग से उतर जाता है। ऐसे में छात्र प्रतिदिन के कवरेज पर ध्यान दें। वे पढ़ाई का एक निश्चित समय तय कर लें। इससे सभी विषय आपके रिवीजन के क्रम में आते रहेंगे। जहां दिक्कत नजर आए उस पर खास ध्यान दें।

समय-समय पर तरक्की भी जांचें

सिर्फ तैयारी में ही न लगे रहें, बल्कि समय-समय पर यह भी जांचते रहें कि आपकी तैयारी किस स्तर तक पहुंच चुकी है या जो लक्ष्य बनाया था, उसमें से अभी कौन-कौन से टॉपिक छूट रहे हैं। इससे आप अपनी तैयारी को लेकर स्पष्ट रहेंगे। कोई चैप्टर पढ़ने से छूटने भी नहीं पाएगा।

ये पांच टिप्स आएंगे काम

- रोजाना तय समय में हल करें 40-80 न्यूमेरिकल प्रश्न
- खुद से विश्लेषण करें कि किस टॉपिक में हो सकती है गलती
- स्टेप बाई स्टेप हल करें न्यूमेरिकल व लॉजिकल प्रश्नों को
- पिरियॉडिक टेबल को अच्छी तरह से याद करते जाएं
- कोचिंग नहीं ले रहे हैं तो कोचिंग के छात्रों के संपर्क में रहें

इंजीनियरिंग की प्रमुख शाखाएं

- सिविल इंजीनियरिंग
- कम्प्यूटर इंजीनियरिंग
- पेट्रोलियम इंजीनियरिंग
- मैकेनिकल इंजीनियरिंग
- ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग
- एन्वायर्नमेंटल इंजीनियरिंग
- केमिकल इंजीनियरिंग
- एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग
- एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग
- इलेक्ट्रिकल/इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग
- माइनिंग इंजीनियरिंग
- टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग

(इंजीनियरिंग से संबंधित देश में कुल 38 शाखाएं मौजूद हैं)

जेईई मेन परीक्षा से जुड़ी हर अपडेट के लिए आपको समय-समय पर उनकी वेबसाइट देखते रहना चाहिए।

आप यह वेबसाइट विजिट कर सकते हैं

www.jeemain.nic.in

परीक्षा तिथि : 02 अप्रैल 2017